KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा -12

अध्याय - 6

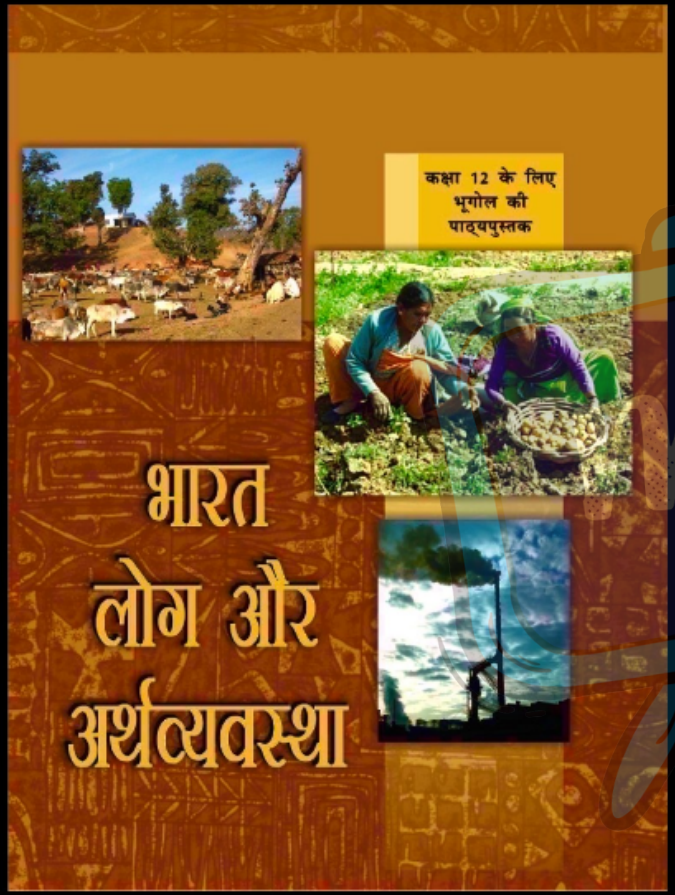
भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास

भाग - 2

पंकज वैष्णव

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗

C-3 : मानव विकास ✗

C-8 : विनिर्माण उद्योग ✗

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- योजना आयोग का गठन कब हुआ था?

(a) 1947

(b) 1950

(c) 1991

(d) 2015



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्र:- नीति आयोग का गठन हुआ था :-

(a) 15 अगस्त 1947

(b) 26 जनवरी 1950

(c) 2 अक्टूबर 1991

(d) 1 जनवरी 2015



योजना → नीति
1950 2015

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रश्न :- भरमौर क्षेत्र किस राज्य में स्थित है ?

(a) पंजाब

(b) सारखंड

(c) उत्तराखंड

(d) हिमाचल - प्रदेश



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सतत पोषणीय विकास

'विकास' शब्द से अभिप्राय समाज विशेष की स्थिति और उसके द्वारा अनुभव किये गए परिवर्तन की प्रक्रिया से होता है।

वृद्धि और विकास

- वृद्धि – वर्तमान स्थिति से सकारात्मक मात्रात्मक परिवर्तन को वृद्धि कहते हैं।
- विकास – वर्तमान स्थिति से सकारात्मक गुणात्मक परिवर्तन को विकास कहते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सतत पोषणीय विकास की अवधारणा

1939-45

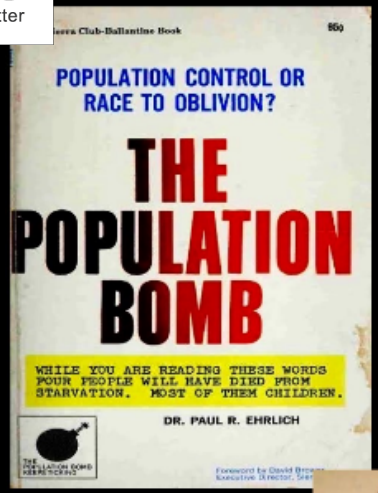
- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 60 के दशक के आरंभ तक अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए भौतिक पूँजी में निवेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी थी।

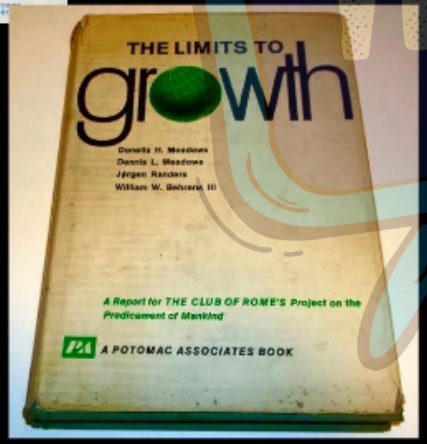
1960-70

- जिसे सकल राष्ट्रीय उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति उपभोग के रूप में मापा गया।
- गरीबी का स्तर बढ़ गया क्योंकि असमान वितरण पाया गया।
- प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- 1968 में प्रकाशित एहरलिच की पुस्तक 'द पोपुलेशन बम' तथा 1972 में मीडेस की पुस्तक 'द लिमिट टू ग्रोथ' ने इस ओर अपना ध्यान खींचा।
- 1980 के दशक में सतत पोषणीय विकास की अवधारणा का विकास हुआ जब संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एवं विकास आयोग की स्थापना हुई। नार्वे की प्रधानमंत्री गरो हरलेम ब्रंटलैंड को इसका अध्यक्ष बनाया। इसलिए इसे ब्रंटलैंड आयोग भी कहते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट अवर कॉमन फ्यूचर 1987 में प्रस्तुत की।



हमारा सांझा भविष्य
1983

↓ 4 साल

1987

KOLORS
make life better

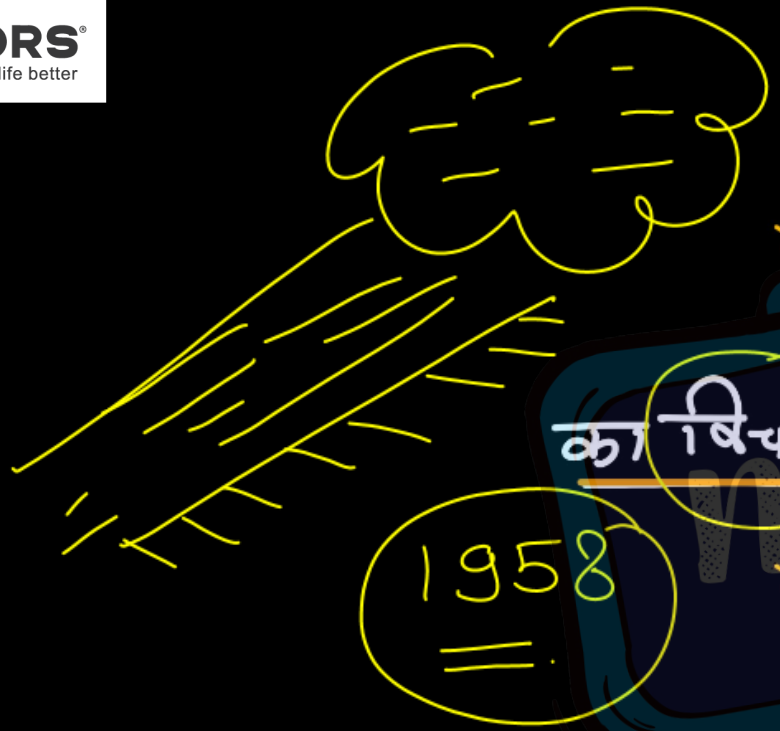
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की दर उनके पुन: चक्रण की दर से कम होनी चाहिए। अत: नवीकरणीय संसाधनों के दोहन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
- हानिकारक पदार्थ (प्रदूषक तत्व) के उत्सर्जन की दर पर्यावरण के स्वांगीकरण की दर से कम होनी चाहिए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इंदिरा गांधी नहर



का विचार

पश्चिमी राजस्थान में समृद्धि लाने और मानव व अन्य पशुओं को पलायन रोकने के लिए इन्दिरा गाँधी नहर के निर्माण तत्कालिन बीकानेर राज्य के इंजीनियर कँवरसेन ने भारत सरकार को 1948 में दिया

राजस्थान नहर का नाम 3 नवम्बर 1984 में स्व. इन्दिरा गाँधी के नाम पर रखा गया।

इन्दिरा गाँधी नहर की उत्पत्ति हरिके बैराज से हुई है जो कि सतलज नदी पर एक बाँध है (कपूरथला (पंजाब) में)

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पंजाब

हरिकेन बैराज

(सतलज + व्यास)

इंदिरा गांधी

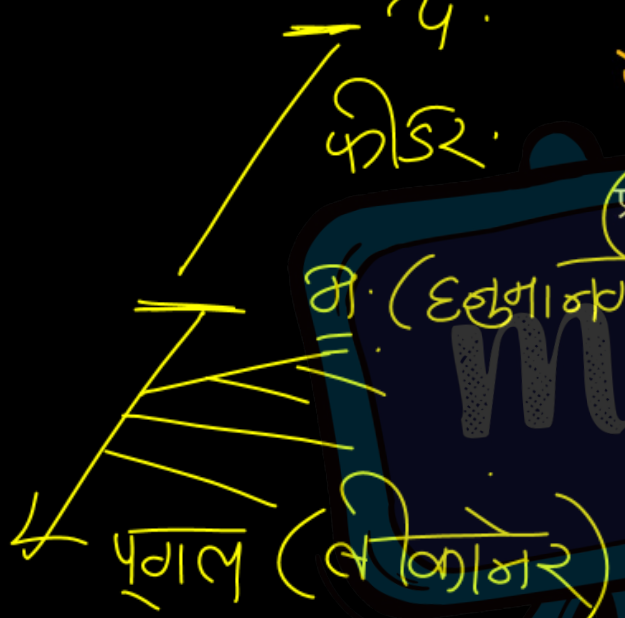
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना को धन की कमी के कारण दो चरणों में विभक्त किया है।

प्रथम चरण – 1958 से 1986

- हरिके बैराज का निर्माण
- राजस्थान फीडर का निर्माण (जो कि 204 किमी. ; राजस्थान, हरियाणा व पंजाब में स्थित है)
- मसीतावली हैड से पूगल (बीकानेर) तक मुख्य नहर (189 किमी.) कँवरसेन लिफ्ट नहर एवं 3454 किमी. लम्बी वितरिकाओं का निर्माण किया गया
- हनुमानगढ, गंगानगर, बीकानेर सिंचाई प्राप्त कर रहे हैं।

KOLORS
make life better

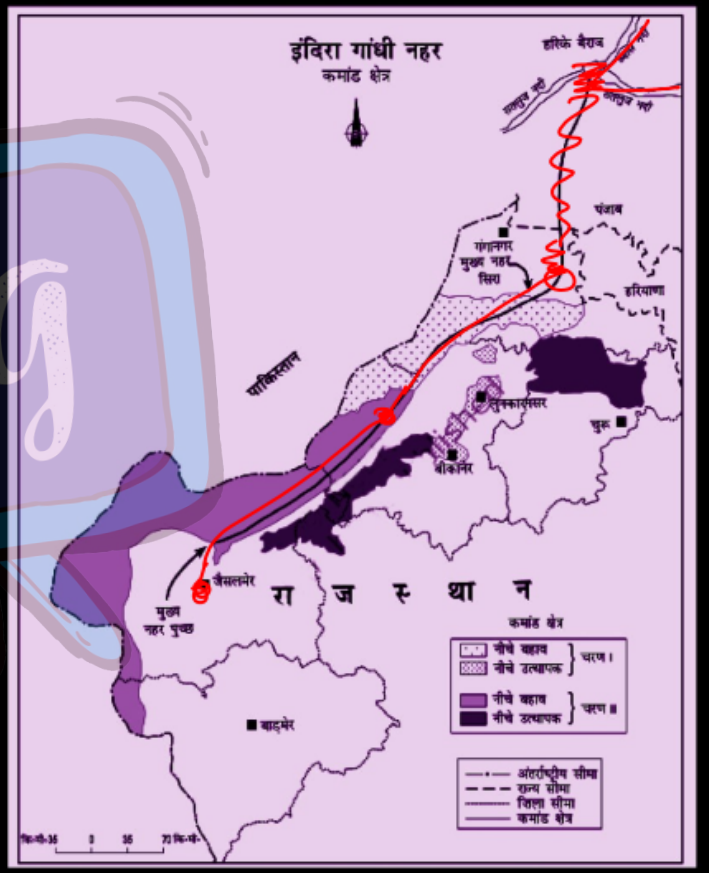
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

द्वितीय चरण - 1992-2010

- पूंगल से मोहनगढ़ 256 किमी. मुख्य नहर
- 6 लिफ्ट नहर एवं 5606 किमी. लम्बी वितरिकाओं का निर्माण किया।
- बीकानेर व जैसलमेर में सिंचाई व्यवस्था

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पेयजल- इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना से राज्य के नौ जिलों श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुँझुनूँ, बीकानेर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर एवं बाड़मेर को पेयजल मिलेगा। इस हेतु तीन पेयजल परियोजनाएँ बनाई गई हैं-

1. कँवरसेन लिफ्ट परियोजना (बीकानेर नगर की जीवन रेखा)- बीकानेर नगर तथा बीकानेर एव श्रीगंगानगर जिले के गाँवों को पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु।
2. राजीव गाँधी लिफ्ट परियोजना (जोधपुर नगर की जीवन रेखा)- जोधपुर नगर तथा जोधपुर एवं बाड़मेर जिलों के 275 गाँवों के पेयजल हेतु।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. गंधेली- साहवा परियोजना (आपणी योजना)- जर्मनी के सहयोग से चूरू, हनुमानगढ़ एवं झुंझुनूं जिलों में पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इससे इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज को रूपान्तरित कर दिया है।

पारिस्थितिकी क्षेत्र –

- अधिक समय तक मृदा नमी उपलब्ध होने और कमान क्षेत्र विकास के तहत शुरू किये गये वनीकरण और चारागाह विकास कार्यक्रमों में भूमि हरी-भरी हो गई है।
- वायु अपरदन कम हो रहा है।
- परन्तु जल भराव व मृदा लवणता की पर्यावरणीय समस्या भी उत्पन्न हो रही है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषीय क्षेत्र

- कृषि क्षेत्र में निश्चित रूप से सफलतापूर्वक कार्य किये जा रहे हैं।
- सिंचित क्षेत्र के विस्तार से बोये गये क्षेत्र में विस्तार हुआ है और फसलों की सघनता में वृद्धि हुई है।
- यहाँ की पारंपरिक फसलों चना, बाजरा, ग्वार का स्थान गेहूँ, कपास, मूँगफली और चावल ने ले लिया है जो कि सघन सिंचाई का परिणाम है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय

इन्दिरा गाँधी

नहर कमान क्षेत्र में विकास हुआ है, उससे वहाँ के भौतिक पर्यावरण को काफी क्षति पहुँची है। वस्तुतः नहर कमान क्षेत्र में संतत् पोषणीय विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रमुख रूप से पारिस्थितिकी विकास को महत्व प्रदान करना आवश्यक है। इस हेतु निम्नलिखित सात उपायों को कार्यान्वित करना आवश्यक है.-

KOLORS
make life better

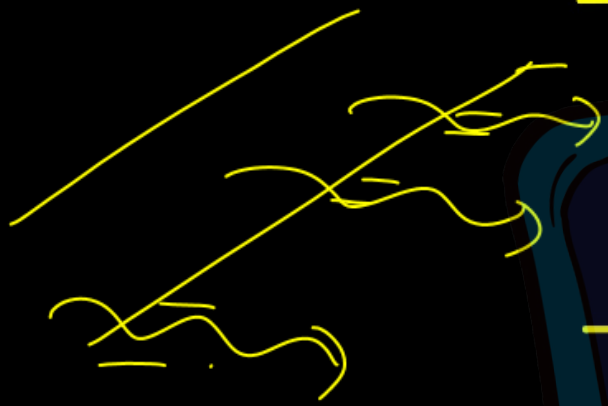
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. जल प्रबन्धन नीति- कमान क्षेत्र के सतत् पोषणीय विकास के लिए जल प्रबन्धन नीति को कठोरता से क्रियान्वित करना अति आवश्यक है। इसके लिए परियोजना के प्रथम चरण में कमान क्षेत्र में रक्षण-सिंचाई तथा दूसरे चरण में फसल उगाने व चारागाह विकास के लिए विस्तारित सिंचाई का प्रावधान रखा गया है।

2. जल सघन फसलों पर प्रतिबन्ध- कमान क्षेत्र के जल-सघन फसलों के बोने पर प्रतिबन्ध लगाना आवश्यक है। इसके स्थान पर बागानी कृषि के अन्तर्गत खट्टे फलों की खेती को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. **प्रवाहित जल की क्षति को न्यूनतम करना-** कमान क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों में नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन, वारबंदी (ओसरा) पद्धति जैसे उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए जिससे प्रवाहित जल की क्षति को कम किया जा सकें।
4. **जलाक्रांत तथा लवणीय भूमि का पुनरुद्धार-** कमान क्षेत्र में मिलने वाली जलाक्रान्त व लवणीय भूमि के पुनरुद्धार के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएँ।
5. **वनीकरण एवं चारागाह विकास-** कमान क्षेत्र में पारितन्त्र विकास के लिए यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र में वनीकरण, वृक्षों की रक्षण मेखला का निर्माण तथा चारागाह विकास के कार्यों को वरीयता प्रदान की जाए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. **वित्तीय एवं संस्थागत सुविधाएँ-** सतत् पोषणीय विकास के लिए आवश्यक है कि कमान क्षेत्र में कार्यरत निध न वर्ग के कृषकों को पर्याप्त मात्रा में वित्तीय एवं संस्थागत सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाएँ।

7. **अर्थव्यवस्था के विविध सेक्टरों का विकास-** सतत् पोषणीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह भी आवश्यक है कि कृषि के साथ-साथ अर्थव्यवस्था में अन्य सेक्टरों के विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। ऐसा करने से कमान क्षेत्र में आर्थिक विविध ीकरण होगा